दैनिक भास्कर (Dainik Bhaskar)

दिनाँक (Dated): 03.01.2025	पृष्ठ सं0 (Page No). 04	क्रम सं0(Serial No.) 09

खुदकुशी के मामलों में 40 प्रतिशत की कमी

सीआईएसएफ : पांच साल बाद आत्महत्या दर राष्ट्रीय दर से नीचे

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सदस्यों की आत्महत्या एक गंभीर चिंता का विषय है। तनाव, लंबे समय तक परिवार से दूरी और व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा कार्य से संबंधित दबाव अक्सर इस जटिल समस्या को बढ़ाते हैं। सीआईएसएफ ने सतत सक्रिय उपायों को लागू करके इस चुनौती का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसके फलस्वरूप 2024 में बल के सदस्यों की आत्महत्याओं में काफी कमी आई है।

उप महानिरीक्षक (आसूचना), सीआईएसएफ दीपक वर्मा ने बताया, एनसीआरबी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख थी। इसकी तुलना में, वर्ष 2024 में सीआईएसएफ में आत्महत्या दर घटकर 9.87 प्रति लाख रह गई है, जो कि वर्ष 2023 की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। पिछले 5 वर्षों में यह पहली बार है कि सीआईएसएफ में आत्महत्या दर राष्ट्रीय दर से नीचे आ गई है।

सीआईएसएफ में पिछले साल आत्महत्या के कारण 15 मौत हुईं, जो 1.51 लाख से अधिक कर्मियों की क्षमता वाले बल में 9.87 प्रति लाख है। बल में 2023 में 25 कर्मियों ने, जबकि 2022 में 26, 2021 में 21, 2020 में 18 और 2019 में 17 कर्मियों ने आत्महत्या की।